रायगढ़, शुक्रवार
20.4.2018
पृष्ठ 8, मूल्य 3

साप्ताहिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Web: www.nyaysakshi.com | 4 में पढ़ें- देश-विदेश की खबरें .... | 6 में पढ़ें- फिल्मी मनोरंजन .... | » वर्ष-2 » अंक - 21 »

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी - अधिकार से न्याय तक जल्द दैनिक हो रहा है। जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

पीएम मोदी के विदेश दौरे में अचानक बदलाव, लंदन से जर्मनी जाएंगे

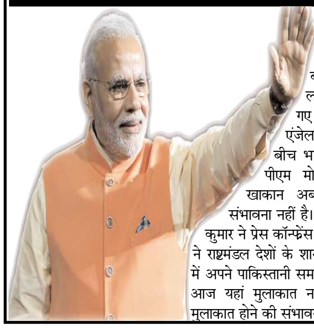

पांच दिनों की विदेश यात्रा पर लंदन पहुंचे पीएम मोदी ने अचानक अपने कार्यक्रम में बदलाव किया है। पीएम मोदी लंदन से जर्मनी के लिए रवाना हो गए हैं। मोदी जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल से मुलाकात करेंगे। इस बीच भारत ने ये साफ कर दिया है के पीएम मोदी का पाकिस्तानी प्रधानमंत्री खाकान अब्बासी से मुलाकात की कोई संभावना नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों के सम्मेलन (चोगम) में अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाहिद खाकान अब्बासी से आज यहां मुलाकात नहीं की। कल भी उनकी कोई मुलाकात होने की संभावना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी चोगम में भाग लेने के लिए चार दिवसीय यात्रा पर बुधवार को ही ब्रिटेन पहुंचे हैं। भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों ने पिछली बार दिसंबर 2015 में मुलाकात की थी। यह मुलाकात उस वक्त हुई थी जब पहले से तय कार्यक्रम के बिना ही मोदी अफगानिस्तान से लौटते वक्त लाहौर में विमान से उतरे और तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पोती की शादी में शिरकत की। बहरहाल , जनवरी 2016 में पठानकोट आतंकवादी हमले और फिर उसी साल सितंबर में जम्मू-कश्मीर के उरी में थलसेना की एक शिविर पर हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के रिश्तों में खटास काफी बढ़ गई। इसके अलावा विदेश मंत्रालय ने लंदन के पार्लियामेंट स्क्वाय में भारतीय झंडे को फाड़ने पर सख्त ऐतराज जताया है। रवीश कुमार ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि भारत ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। ब्रिटेन ने इस पर दुख जताया है। हम उम्मीद करते हैं कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि यहां 53 राष्ट्रमंडल देशों के 'फ्लैग पोल' पर लगे आधिकारिक झंडों में से तिरंगे को फाड़ दिया गया। तिरंगा फाड़े जाने के बाद पार्लियामेंट स्क्वायर पर कुछ प्रदर्शनकारी उग्र हो गए थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक बयान में कहा कि बुधवार, 18 अप्रैल को (ब्रिटिश समयानुसार) दोपहर तीन बजे पार्लियामेंट स्क्वायर में एक भारतीय झंडे को नीचे उतार लिए जाने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। उस झंडे की जगह दूसरा झंडा लगा दिया गया है। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। जांच जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय खबर....

क्यूबा में खत्म हुआ 6 दशक लंबा कास्त्रो युग, कनेल बने नए राष्ट्रपति

क्यूबा में 6 दशक पूरान कास्त्रो राज खत्म हो गया है। मिगेल डियाज कनेल क्यूबा के नए राष्ट्रपति बन गए हैं। कास्त्रो ने उपराष्ट्रपति कनेल को अपना पद सौंपा। 57 वर्षीय कनेल राष्ट्रपति पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे। क्यूबा की सरकारी न्यूज वेबसाइट क्यूबाडिबेट के अनुसार, कनेल को नेशनल असेंबली में 604 में से 603 वोट मिले। वह पांच साल तक के लिए राष्ट्रपति पद पर बने रहेंगे। कनेल कम्युनिस्ट पार्टी के सर्वोच्च नेताओं में से एक है। वह 2013 में पहली बार देश के उपराष्ट्रपति बने थे। 1959 की क्रांति के बाद वह देश के पहले ऐसे नेता हैं जो कास्त्रो परिवार से न होने के बावजूद राष्ट्रपति बने हैं।शीत युद्ध में अहम भूमिका निभाने वाले फिदेल कास्त्रो और उनके बाद छोटे भाई राउल कास्त्रो ने देश की सत्ता लंबे समय से संभाल रहे थे। 86 साल के हो चुके राउल 2006 से देश के राष्ट्रपति थे। बड़े भाई फिदेल की बीमारी की वजह से उन्होंने यह पद संभाला था। हालांकि, राउल 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के होने तक पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे।

मीशा शफी ने साथी कलाकार पर लगाए यौन शोषण के आरोप

पाकिस्तान के जानेमाने अभिनेता और गायक अली जाफर पर एक महिला साथी कलाकार मीशा शफी ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। मीशा शफी ने एक ट्वीट करते हुए अली जफर पर ये गंभीर आरोप लगाए। हालांकि अली जफर ने इन आरोपों को निराधार बताया है और कहा कि वे इन आरोप के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। दोनों कलाकारों ने ये आरोप-प्रत्यारोप सोशल मीडिया के द्वारा एकदूसरे पर लगाए हैं। मीशा शफी पाकिस्तान की चर्चित अदाकार और गायिका भी हैं। गुरुवार को उन्होंने एक लंबे-चौड़े ट्वीट में अली जफर पर ये आरोप लगाए। मीशा ने लिखा कि अपनी आपबीती को साझा करने का फैसला मुश्किल था, लेकिन उन्हें लगा कि खामोश रहने की संस्कृति को तोड़न जरूरी है।उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'इसे साझा करके मुझे लगता है कि यौन उत्पीड़न के अपने खुद के तर्जुबे के बारे में बोल कर मैं खामोशी अख्तियार करने की संस्कृति को तोड़ दूंगी जो हमारे समाज में व्याप्त है। बोलना आसान नहीं है, लेकिन खामोश रहना मुश्किल है। मेरा ज़मीर और इसकी इजाजत नहीं देगा।' अभियान के तहत उन्होंने यह ट्वीट पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि उनके साथ उनके ही सहयोगी ने एक बारे से ज्यादा यौन उत्पीड़न किया। यह उनके और उनके परिवार के लिए दर्दनाक तर्जुबा रहा। मीशा अपने ट्वीट में लिखती हैं, 'ये घटनाएं तब नहीं हुई जब मैं युवा थी या तब मैं उद्योग में आ रही थी। यह तब हुआ जब मैं सशक्त और संपन्न महिला हूं जो अपने ख्यालात रखने के लिए जानी जाती है। यह मेरे साथ तब हुआ जब मैं दो बच्चों की मां हूं।' हालांकि मीशा ने इस बारे में केवल सोशल मीडिया पर ही अपने ख्यालात शेयर किए हैं। पुलिस में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है।अपने ऊपर लगे आरोपों पर अली जफर ने कहा कि वे अपने साथी द्वारा लगाए आरोपों पर दुखी हैं, क्योंकि उनके ये आरोप बेबुनियादी हैं। अली ने कहा कि वे इस मामलों को कानूनी रूप से निपटेंगे उन्होंने भी अपने ट्वीट में कहा, 'मैं समी टू अभियान के बारे में अच्छी तरह से जानता हूं और इसका समर्थन भी करता हूं। मैं एक बेटी और एक बेटे का पिता हूं और एक पति होने के साथ-साथ किसी मां का बेटा भी हूं। मैं हमेशा अपने परिवार के साथ हूं और मेरे जीवन में कुछ भी छिपा हुआ नहीं है।'अली जफर ने कई हिंदी फिल्मों भी काम किया है। उन्होंने तेरे बिन लादेन, मेरे ब्रोदर की दुल्हन, चश्मे बद्दूर और डियर जिंदगी में काम किया है।

'ब्लैक पैंथर' के प्रदर्शन के साथ सऊदी अरब में 37 साल बाद सिनेमा के दरवाजे खुले

सऊदी अरब में सिनेमा से रोक हटने के बाद बुधवार को पहली फिल्म 'ब्लैक पैंथर' दिखाई गई। खबरों के मुताबिक हॉलीवुड की इस फिल्म का पहला शो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, विदेशी प्रतिनिधियों और कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए आरक्षित था। लेकिन शुक्रवार से इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके लिए गुरुवार से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू की गई है।सऊदी अरब में सिनेमा से पाबंदी हटने को एक नए युग की शुरुआत बताया जा रहा है। फिल्म 'ब्लैक पैंथर' के पहले दिन के शो में शामिल रहाफ अलहेंदी ने कहा, 'यह नया युग हैज्चीजें बदल रही हैं, प्रगति हो रही है। हम खुलेपन की तरफ जा रहे हैं और दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, उसे हासिल कर रहे हैं।'

तिरंगा फाड़ने और PM मोदी के खिलाफ प्रदर्शन पर ब्रिटेन ने मांगी माफी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान भारत में कथित अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कुछ समूह उस समय उग्र हो गए जब सभी 53 राष्ट्रमंडल देशों के 'फ्लैग पोल' पर लगे आधिकारिक झंडों में से तिरंगे को फाड़ दिया गया। द्विपक्षीय और चोगम वार्ता के लिए लंदन आए प्रधानमंत्री मोदी ने जब अपनी ब्रिटिश समकक्ष टेरीजा मे से मुलाकात की तब वहां प्रदर्शनकारियों का विरोध प्रदर्शन जारी था। 'फ्लैग पोल' पर लगा भारतीय तिरंगा फाड़े जाने के बाद पार्लियामेंट स्क्वायर पर कुछ प्रदर्शनकारी उग्र हो गए। इस प्रदर्शन को कवर कर रहे भारत के एक बड़े समाचार चैनल के पत्रकार हिंसक प्रदर्शन में फंस गये थे और ड्यूटी पर मौजूद स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारियों को बीच-बचाव करना पड़ा। इस दौरान खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी कुछ ज्यादा हिंसक हो गए। समूह इस संबंध में मेट्रोपॉलिटन पुलिस से शिकायत करने की योजना बना रहा है।मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक बयान में कहा कि बुधवार 18 अप्रैल को (ब्रिटिश समयानुसार) दोपहर तीन बजे पार्लियामेंट स्क्वायर में एक भारतीय झंडे को नीचे उतार लिए जाने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। उस झंडे की जगह दूसरा झंडा लगा दिया गया है। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। जांच जारी है। ब्रिटेन के विदेश एवं राष्ट्रमंडल कार्यालय (एफसीओ) के एक प्रवक्ता ने बताया कि लोगों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन पार्लियामेंट स्क्वायर में एक छोटे से समूह की ओर से उठाए गए कदम से हम निराश हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाकिस्तानी सीमा में घुसकार आतंकवादी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक करने के दावे

पाकिस्तान ने गुरुवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाकिस्तानी सीमा में घुसकार आतंकवादी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक करने के दावे को 'फर्जी' और 'आधारहीन' करार दिया। लंदन के वेस्टमिंस्टर सेंट्रल हॉल में एक संवाद सत्र में मोदी ने बुधवार को कहा था, 'सर्जिकल स्ट्राइक की खबर मीडिया में आने से पहले इसके बारे में पाकिस्तान को सूचित किया गया था।' पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैसल ने मीडिया से कहा, 'भारतीय सेना द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक का दावा एक झूठ था और बार-बार इसे दोहराने से यह सच में नहीं बदल जाएगा।' भारत ने पिछले वर्ष 29 सितंबर को दावा किया था कि विशेष बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार जाकर जम्मू एवं कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश करने वाले कई आतंकवादियों को मार गिराया था। पाकिस्तान का नाम लिए बिना मोदी ने लंदन में कहा, 'आतंकवाद का निर्यात करने वाले और हमें अस्थिर करने की कोशिश करने वाले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और वे जिस भाषा में समझेंगे, उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाएगा।पाकिस्तानी प्रवक्ता ने कहा, 'लगातार झूठ बोलने से कोई बात सच नहीं हो जाती और बात उल्टी है। भारत, पाकिस्तान में आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवादी कौन हैं और कौन उनका प्रमुख है। भारतीय जासूस कुलभूषण जाधव भारत प्रायोजित आतंकवाद का सबूत है।'

रूस के बाद अब अमेरिका ने भी लगाया 'पाकिस्तान' पर प्रतिबंध

पाकिस्तान ने गुरुवार को उन खबरों की पुष्टि की, जिसमें कहा जा रहा था कि अमेरिका अपने देश में पाकिस्तानी राजनयिकों पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। यह प्रतिबंध एक मई से प्रभावी होंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैजल का यह बयान अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर पॉलिटिकल अफेयर्स थॉमस शैनन के मंगलवार के बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें शैनन ने कहा था कि अमेरिका वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजनयिकों पर ठीक उसी तरह के प्रतिबंध लगाएगा, जैसा पाकिस्तान ने उनके राजनयिकों पर इस्लामाबाद में लगाए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, वाशिंगटन में पाकिस्तानी राजनयिकों पर यात्रा प्रतिबंधों के संदर्भ में हां, हमें अमेरिका से आधिकारिक सूचना मिली है, वहां एक मई 2018 से पाकिस्तानी राजनयिकों पर प्रतिबंध लगा रहा है। फैजल ने इस्लामाबाद में कहा, यह मुद्दा मुख्यतौर पर पारस्परिकता का है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के संपर्क में है और हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। हम फिलहाल इस पर कुछ नहीं कह सकते।

किम जोंग उन का शैतानी दिमाग क्या चाल चलता है इसका अंदाजा किसी को नहीं

वक्त बदलने वाला है। वो दुश्मन अब दोस्त बनने वाला है। दुनिया की नजर ट्रंप और किम जोंग पर टिकी हैं। दोनों की दोस्ती क्या रंग लाएगी। या फिर दोस्त बनने से पहले ही दुश्मनी और गहरी हो जाएगी। मुमकिन कुछ भी है, लेकिन इंतजार किसको है मुलाकात से पहले ही अमेरिका किम जोंग उन को ललकार रहा है। वहीं, किम जोंग उन भी उसे आंखे दिखा रहा है। मुलाकात से पहले इस तरह की बयानबाजी क्या अमेरिका की चाल है अगर ऐसा है तो शायद अमेरिका किम जोंग उन को हल्के में आंकने की गलती कर रहा है। क्योंकि, वह भूल गया कि किम जोंग उन का शैतानी दिमाग क्या चाल चलता है इसका अंदाजा किसी को नहीं लगता। शायद अमेरिका यह भी भूल गया है कि किम जोंग के पास उसके खिलाफ एक सीक्रेट हथियार भी है, जो पहले भी उसे मात दे चुका है। क्या है तानाशाह किम जोंग का सीक्रेट हथियार उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी छोटी बहन को अपना सिपहसालार बनाया है। ऐसा उसने अमेरिका और अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की वजह से किया। दरअसल, उत्तर कोरिया की सरकारी एजेंसी ने कुछ समय पहले इलजाम लगाया था कि सीआईए ने दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर किम जोंग उन को मारने की कोशिश की थी। हालांकि, ये कोशिश नाकाम हो गई, लेकिन कातिल किम जोंग उन के बेहद करीब तक जा पहुंचे थे। इसीलिए इस तानाशाह ने अपनी सबसे भरोसेमंद को अपना सिपहसालार बनाया है। उम्र में छोटी है किम की बहन कहते हैं कि मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है। लेकिन, किम जोंग उन कि किस्मत देखिए उसे बचाने वाली उससे उम्र में छोटी है और मारने वाला उससे ताकत में बहुत बड़ा। लेकिन कब कोई छोटा असरदार हो जाए कह नही सकते। वरना कसर तो किम के सबसे बड़े दुश्मन देश अमेरिका ने कोई नहीं छोड़ी थी। अमेरिका ने रची थी किम के कत्ल की साजिश खुलासा हुआ है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने पिछले साल उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन को मारने की नाकाम कोशिश की थी।

दक्षिण अफीका के राष्ट्रपति राष्ट्रमंडल सम्मेलन अधर में छोड़कर स्वदेश लौटे

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को देश में हिंसक प्रदर्शनों की वजह से लंदन में राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन अधर में छोड़कर वापस लौटना पड़ा। बीबीसी के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी पश्चिम प्रांत में हिंसक झड़पें हो रही हैं, जहां प्रदर्शनकारी

रोजगार, सस्ते आवास और भ्रष्टाचार के खात्मे की मांग कर रहे हैं। दुकानें लूटी जा रही हैं, सड़कें जाम कर दी गई और वाहनों में आग लगा दी गई। पड़ोसी देश बोत्सवाना का कहना है कि उन्होंने उत्तर पश्चिम प्रांत से सटी सीमा के निकासी मार्गों को बंद कर दिया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, क्वरामफोसा ने शांति बनाए रखने रखने का आह्वान किया है और पुलिस से संयम बरतने का आदेश दिया है। दक्षिण अफ्रीकी मीडिया का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। उत्तर पश्चिम प्रांत में बुधवार को प्रदर्शन उस समय शुरू हुए, जब प्रदर्शनकारियों ने प्रांतीय प्रमुख सुपरा महुमापेलो के इस्तीफे की मांग की। सुपरा राष्ट्रपति रामफोसा की सत्तारूढ़ अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) पार्टी के सदस्य हैं।

तत्काल आवश्यकता है
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र हेतु कम्पयूटर ऑपरेटर, सर्वे करने के लिए, बंडल कार्य हेतु, एवं रिपोर्टर/संवाददाता रायगढ़ एवं जशपुर जिले के लिए तत्काल चाहिए ... संपर्क करें...
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग.
मो. नं. 9039961090

ऑफसेट प्रिंटिंग - न्यूज पेपर प्रिंटिंग
वेस्ट जर्मनी की ऑफसेट मशीन *हेडलबर्ग* से 4 कलर की सभी तरह की प्रिंटिग होती है। प्रिंटिंग जॉब हेतु सम्पर्क करें....
न्यायसाक्षी प्रिंटर्स एण्ड प्रेस
श्रीराम कॉलोनी, स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9589876400